vinetur

फ्रांस में 2026 की अंगूर फसल ऐतिहासिक रूप से कम रहने का अनुमान, उत्पादन 35 मिलियन हेक्टोलिटर

सूखा, गर्मी और अंगूर के बागों को हटाए जाने से उत्पादन 2021-2025 के औसत से 14% नीचे रहने का अनुमान है, कृषि मंत्रालय ने कहा।

बुधवार, 7 अक्टूबर 2026



कृषि मंत्रालय की बुधवार को जारी आधिकारिक अनुमान के मुताबिक, फ्रांस में 2026 की अंगूर फसल ऐतिहासिक रूप से कम रहने की आशंका है और देश का कुल वाइन उत्पादन लगभग 35 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान है।

मंत्रालय ने कहा कि यह मात्रा 2025 से 2% कम और 2021 से 2025 के औसत से 14% नीचे होगी। यह अनुमान देशभर में कमजोर फसल की ओर इशारा करता है, हालांकि अलग-अलग वाइन क्षेत्रों में स्थितियां काफी भिन्न रही हैं।

मौसम का असर सबसे अधिक पड़ा है। फ्रांस के अधिकारियों ने कहा कि सूखे और भीषण गर्मी ने कई प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में पैदावार घटाई है, जिनमें Bordeaux, Burgundy और Rhône Valley शामिल हैं। इन क्षेत्रों में उत्पादकों को तेज

जलवायु दबाव वाले साल के दौरान खेती की कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है।

कुछ अन्य वाइन क्षेत्रों में स्थिति बेहतर रही है। मंत्रालय के मुताबिक, कुछ क्षेत्रों में अधिक बारिश और अपेक्षाकृत हल्के तापमान का लाभ मिला, जिससे सबसे अधिक प्रभावित अंगूर के बागों की तुलना में फसल की स्थिति अनुकूल रही। इस अंतर के चलते फ्रांस की फसल हर जगह खराब नहीं है, बल्कि मात्रा और खेती की परिस्थितियों—दोनों के लिहाज से क्षेत्रों के बीच काफी असमानता है।

आधिकारिक अनुमान में इस क्षेत्र के संरचनात्मक बदलाव भी झलकते हैं। गर्मी और सूखे के असर के अलावा, अंगूर के बागों को हटाए जाने से उत्पादन क्षमता घटी है। इसका मतलब है कि कम फसल केवल एक मौसम के मिजाज का नतीजा नहीं, बल्कि देश में अंगूर के बागों के कुल क्षेत्रफल में जारी बदलाव का भी परिणाम है।

मंत्रालय ने कहा कि उत्पादक स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप खेतों में कामकाज और अंगूर के बागों के प्रबंधन में बदलाव करते हुए फसल की तैयारी कर रहे हैं। इन फैसलों में सूखे के दौरान बेलों की देखभाल और अधिक तापमान से अंगूरों के पकने की प्रक्रिया प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में तुड़ाई की योजना शामिल हो सकती है। इस साल चुनौतियां हर जगह एक जैसी नहीं हैं, जिससे अलग-अलग अपीलेशन और क्षेत्रों में काम करने वाले उत्पादकों के लिए फसल का प्रबंधन अधिक जटिल हो गया है।

यह अनुमान फ्रांसीसी वाइन उत्पादकों पर बढ़ते दबाव को रेखांकित करता है, क्योंकि जलवायु में उतार-चढ़ाव खेती के मौसम का नियमित हिस्सा बनता जा रहा है। कम उत्पादन वाला साल न केवल किसानों की आय को प्रभावित कर सकता है, बल्कि बाजार में आपूर्ति, भंडार और कीमतों के संतुलन पर भी असर डाल सकता है। वाइनरी, व्यापारियों और निर्यातकों के लिए फ्रांस की छोटी फसल आने वाले महीनों में खरीद और कारोबारी योजना को जटिल बना सकती है—खासकर उन क्षेत्रों की वाइन के मामले में जहां पैदावार सबसे ज्यादा घटी है।

फ्रांस घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए वाइन के प्रमुख स्रोतों में बना हुआ है, इसलिए पेय कारोबार में उसकी फसल के बदलावों पर करीबी नजर रखी जाती है। लगभग 35 मिलियन हेक्टोलिटर की फसल का मतलब यह नहीं है कि हर जगह आपूर्ति की कमी होगी, क्योंकि परिस्थितियां क्षेत्रों के अनुसार अलग हैं और मौजूदा भंडार कुछ श्रेणियों में असर को कम कर सकते हैं। फिर भी, कम मात्रा के चलते क्षेत्रवार उपलब्धता, फसल की गुणवत्ता और उत्पादक बाजार में कितनी वाइन लाने का फैसला करते हैं—इन बातों का महत्व बढ़ जाता है।

मंत्रालय का आकलन हाल के वर्षों में दिखे व्यापक रुझान को जोड़ता है, जिसमें बार-बार आने वाली चरम मौसमी स्थितियां फ्रांसीसी वाइन उद्योग की परीक्षा ले रही हैं। इस साल की फसल—जो कुछ जगहों पर दूसरों की तुलना में बेहतर है—एक बार फिर दिखाती है कि राष्ट्रीय उत्पादन पर गर्मी, बारिश की कमी और अंगूर के बागों के क्षेत्रफल में बदलाव का कितना गहरा असर पड़ सकता है।